

मोड्यूल 15 : सेप्सिस (जन्तुदोष) : निदान तथा जेन्तामायसिन की सुई से उपचार

सत्र 3 : फॉर्म भरना

दिवस : 3

समयावधि : 1 घं. 35 मि.

प्रयोजन

आशा को नवजात शिशु में सेप्सिस की पहचान और उपचार करने वाले फार्मों की जानकारी देना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यता आएँगी –

1. सेप्सिस (जन्तुदोष) का उपचार और शिशु की प्रगती का रिकार्ड रखने के लिए सेप्सिस (जन्तुदोष) उपचार फॉर्म का प्रयोग।

सामग्री

- घरों का दौरा फॉर्म का नवजात शिशु सेप्सिस (जन्तुदोष) निदान भाग (माँ तथा नवजात शिशु का रिकार्ड)
- अभ्यासपत्र 1: केस अध्ययन: सेप्सिस उपचार के बाद होने वाली समस्याओं को पहचानना
- अभ्यासपत्र 2: सेप्सिस के उपचार वाला फॉर्म (इसमें – पूर्व स्वीकृति लेने वाला फॉर्म, देखभाल की योजना, अस्पताल भेजने के मापदण्ड तथा खुराक का चार्ट शामिल है।)
- अभ्यासपत्र 3: केस प्रस्तुति
- प्रशिक्षक प्रपत्र 1: केस प्रस्तुति के उत्तर (उनके प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक संबंधित फॉर्म भरें जिसका प्रयोग इस सत्र के दौरान होगा)

तैयारी

- प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अभ्यासपत्र 1,2,3 की प्रतियाँ बना लें।
- प्रशिक्षणार्थियों को बताएँ कि वे माँ तथा नवजात शिशु का रिकार्ड फॉर्म अपने साथ रखें।

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति एवं चर्चा (25 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. सेप्सिस देखभाल/उपचार से संबंधित तीनों फॉर्म सभी को बाँटें। 3 फॉर्म पहचानें। घरों का दौरा फॉर्म का नवजात शिशु सेप्सिस (जन्तुदोष) निदान भाग, पूर्व स्वीकृति लेने वाला फॉर्म, सेप्सिस उपचार फॉर्म।
2. आशाओं को नवजात शिशु सेप्सिस (जन्तुदोष) उपचार फॉर्म देखने दें। उन्हें बताएँ कि वे यह फॉर्म उस दिन से प्रयोग करें, जिस दिन शिशु का सेप्सिस के लिये उपचार शुरू हो।
3. सभी आशाओं को अभ्यासपत्र 3: केस प्रस्तुति बाँटें। पहली केस समझाएँ और दिखाएँ कि केस के आधारपर फॉर्म का सेप्सिस उपचार भाग कैसे भरना है। आशाओं को बाकी चार केस के आधारपर फॉर्म भरने दें।

4. अभ्यासपत्र 3 पूरा भरने के लिये आशाओं को 15 मिनट का समय दें। सभी आशाओं ने फॉर्म पूरा भरने के बाद उन्हें आपस में फॉर्म की अदलाबदली करने को कहें। प्रशिक्षक सही उत्तर बताएँ और आशाएँ एक दूसरे का अभ्यासपत्र जाँचे। प्रशिक्षक शंकाओं का समाधान करें।

केस प्रस्तुति (1 घंटा)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. आशाओं से कहें कि अब वे सेप्सिस फॉर्म भरने का पूरा अभ्यास करेंगी। इस में पूर्व स्वीकृति लेना, उपचार तथा अस्पताल भेजना शामिल है।
2. आशाओं को छोटे समूहों में बाँटें, या सभी को अलग-अलग कार्य करने दें
2. केस प्रस्तुति अभ्यासपत्र 3 तथा फॉर्म बाँटें।
3. 50 मि. के बाद सभी छोटे समूहों को मिलाकर एक साथ बुलाएँ और भरे हुए फॉर्मों की समीक्षा करें।
4. सभी की शंकाओं का समाधान करें।

सारांश : (10 मि.)

- किसी एक आशासे पूछें कि तीनों फॉर्मों से उन्हें कैसे मदद मिलती है।
- एक अन्य आशासे पूछें कि नवजात शिशुओं में सेप्सिस (जन्तुदोष) का निदान कैसे किया जाता है। (घरो का दौरा फॉर्म के सेप्सिस निदान भाग पर एक दिन में दो लक्षण दिखाई देना।)
- किसी अन्य आशासे पूछें कि सेप्सिस (जन्तुदोष) से ग्रस्त शिशु की कितनी बार और कितने दिनों तक उपचार/देखभाल की जानी चाहिए। (जब तक दवा दी जा रही हो, तब तक दिन में 2 बार (नियत समय पर जन्मे शिशु को 7 दिन तक, और समय से पूर्व जन्मे शिशु को 10 दिन तक)। इसके बाद भी शिशु को देखने के लिए जाती रहें; अधिक खतरे वाले शिशुओं के लिए महीने में 13 बार, सामान्य शिशुओं के लिए महीने में 5 बार; दूसरे महीने में, जिन्हें देखने जाना है उन्हें दूसरे माह में 4 बार)

सत्र का मूल्यांकन :

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
सेप्सिस (जन्तुदोष) का उपचार और शिशु की प्रगती का रिकार्ड रखने के लिए सेप्सिस (जन्तुदोष) उपचार फॉर्म का प्रयोग।	केस उदाहरण / पूरे भरे फॉर्मों की जाँच। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी सेप्सिस के उपचार के लिए तथा शिशु की प्रगती का रिकार्ड रखने के लिये सेप्सिस उपचार फॉर्म का सही प्रयोग करें।	प्रत्येक आशा द्वारा भरा गया तथा आशाओं ने ही प्रशिक्षक ने बताये उत्तरों के आधारपर जाँचा हुआ सेप्सिस उपचार फॉर्म।